Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 21-12-2005
Participants : Singh Shri Mohan,Singh Shri Prabhunath,Chatterjee Shri Somnath

>

Title : Reported news about alleged misconduct of some members in implementation of MPLAD Scheme.

श्री प्रभुनाथ सिंह आज सहारा अखबार में एक समाचार में निकला है कि माननीय सदस्य श्री चर्चिल अलीमाऊ ने तिलक मार्ग थाने में बयान दिया है। उस बयान में उन्होंने कहा है कि 19.12.2005 को स्टार न्यूज पर सांसदों के संबंध में जो कुछ दिखाया गया है, उन्होंने उनसे पुस्तकालय निर्माण के संबंध में चर्चा की थी। इसी तरह से श्री रामस्वरूप कोली, जिन्होंने आपको भी पत्र लिखा है, उन्होंने कहा है कि उन्होंने न तो किसी मीडिया के व्यक्ति से मुलाकात की और न ही किसी से उनकी बात हुई, लेकिन इसके बावजूद भी मीडिया में उनके संबंध में कहा गया है। श्री पारसनाथ यादव के संबंध में हमने स्वयं अपनी आंखों से देखा है कि...(व्यवधान)

MR. SPEAKER This is not the way how it is tackled. We know all this.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह श्री पारस नाथ यादव द्वारा कमीशन की मांग कभी नहीं की गई।

MR. SPEAKER This is not the way to finalise Calling Attention, my friend. Please take your seat.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष महोदय, हमारी बात को सुना जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय आपकी बात सुन रहे हैं। After the Question Hour, we take up important matters.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER Please be brief and to the point.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER Hon. Members, if you want to discuss, do it outside.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER This will be looked into by the Committee.

श्री प्रभुनाथ सिंह मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि सांसदों को व्यावसायिक सौदा बनाकर जैसे मीडिया के लोगों ने ऑपरेशन दुर्याधन चलाया है। इस बात की चर्चा है कि वह कैसेट 58 लाख में बिका है।…(व्यवधान) इस ऑपरेशन को चलाकर जिस ढंग से मीडिया के लोग सांसदों और सदन का अपमान कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, आप भी इस अपमान से वंचित नहीं हैं। जिन लोगों ने गलती की है उनके बारे में सदन ने कहा है उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए आपने समिति भी बनाई है। लेकिन जिस ढंग से मीडिया के लोग सांसदों के घर में घुसकर, जबरन कैमरा लेकर गलत तरीके से उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश करके देश में उनकी गरिमा को गिरा रहे हैं, इस संबंध में मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि आप इसकी जांच करवाएं। हमने आपसे अकेले में भी बात की थी, आपने कहा थ कि कोई कानून ऐसा नहीं है जिस पर जांच करा सकें। हम नहीं समझते हैं कि भारत का कोई भी व्यक्ति, कोई भी संस्था कानून से ऊपर है। यदि कानून है तो गलत काम करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। हम सरकार से मांग करते है कि इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। हम इस ढंग से सदन के सदस्यों को अपमानित करना उचित नहीं मानते हैं। हम चाहते हैं कि आप इस पर नियमन दें। यह इतना सं वेदनशील सवाल है, सांसदों के चरित्र का सवाल है, सदन की मर्यादा का सवाल है और आपके सम्मान का सवाल है। इसलिए हम चाहते हैं कि आप नियमन दीजिए ताकि सदस्य संतुट हो सकें।

MR. SPEAKER: Hon. Members, we cannot have a discussion on this.

श्री मोहन सिंह अध्यक्ष महोदय, हमने आपको पत्र लिखा था…(व्यवधान)

MR. SPEAKER I have not got it.

श्री मोहन सिंह वह पहुंच जाएगा। कोल और सिकथर की किताब में आप देखें, प्रिविलेज के बारे में पृठ संख्या 285 में लिखा हुआ है कि किसी भी सदस्य के, उसके स्वतंत्र चिंतन में घूस देकर उसकी गतिविधि को प्रभावित करना सदन का अपमान है और इस सदन का विशेाधिकार है। यह बात सही है कि जिन लोगों ने लेने का प्रयास किया, उनके खिलाफ यह सदन कार्रवाई करä[sk19]। सैल्फ प्योरिफिकेशन कार्यक्रम होना चाहिये। लेकिन जिन्होने घूस देकर गलत काम करने की कोशिश की है, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिये। इसका स्कोप बढ़ाया जाना चाहिये। मैं ऐसा इसलिये कहना चाहता हूं कि यदि इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो पूरे सदन की मर्यादा खत्म करने का इस देश में संगठित अभियान चल रहा है। अंतत: देश में संसदीय लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास हो रहा है। इस प्रकार हमारे सदन के सदस्यों के नाम टी.वी. पर दिखलाकर पूरे सदन को अपमानित करने की साजिश की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, इस सदन की मर्यादा को भंग करना प्रीवलेज का विाय है और मैं चाहूंगा कि यह मामला विशेाधिकार समिति को दिया जाना चाहिये।

MR. SPEAKER You have said that you have sent a letter. I have not yet got it. I have not said that any of the hon. Members is, in fact, guilty. We have formed a Committee with the concurrence of the hon. Leaders to find out the truth. Nobody will be more zealous to uphold the dignity or the interest of the hon. Members than the Chair. Therefore, I can assure you that there is no question of any witch-hunting against our own Members. But, I shall certainly consider your letter as seriously as it demands. There is no doubt about it.

I shall consult hon. Leaders as this House is the most important body in the whole country. Therefore, we have to maintain its dignity. If there are some self-corrections that are necessary, we should also do that. But we must all try to see that the dignity of this House is never affected or prejudiced by anybody whether inside or outside. Therefore, if necessary, we do some self-introspection. But, I am sure, here all of us are united that there is nothing greater than this House. We shall maintain its dignity and decorum and the people's respect that is there, at all cost. There are no two opinions on this.

श्री मोहन सिंह अध्यक्ष महोदय, आप हमारे गार्जियन हैं।

MR. SPEAKER: You have made your point. He has said that he has written a letter to me. I will look into it. I have not yet seen it. I shall certainly consider it on merit. Why not? All of us are all very valued colleagues of mine. I have not formed any opinion about any impropriety on their part. I have not formed any opinion myself.

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष जी, आपने बहुत अच्छा कहा और सदन की मर्यादा बनाये रखने का काम किया लेकिन सदन की गरिमा गिराने का जिन धन्नासेठों ने काम किया है, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिये।...(व्यवधान)

श्री इलियास आज़मी अध्यक्ष महोदय, मीडिया वाले हमारे यहां जासूसी करने का काम कर रहे हैं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: They are also doing their duty.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA I am not speaking on this.

MR. SPEAKER: What you are raising is a State matter.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): It is not a State matter.

MR. SPEAKER: How can you say that?